

26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

“मीठे बच्चे - कर्म करते स्वयं को आशिक समझ

एक मुझ माशूक को याद करो, याद से ही तुम पावन

बन पावन दुनिया में जायेंगे”

None but Only One

प्रश्न: महाभारत लड़ाई के समय पर तुम बच्चों को बाप का कौन सा हुक्म (आज्ञा) वा फरमान मिला हुआ है?

उत्तर:- बच्चे, बाप का हुक्म वा फरमान है - देही-

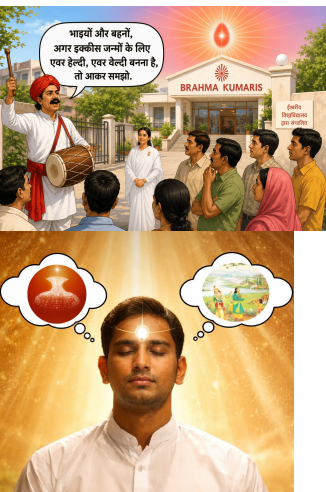
अभिमानी बनो। सबको सन्देश दो कि अब बाप और

राजधानी को याद करो। अपनी चलन को सुधारो।

बहुत-बहुत मीठे बनो। कोई को दुःख मत दो। याद में

रहने की आदत डालो और स्वदर्शन चक्रधारी बनो।

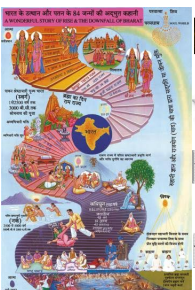
कदम आगे बढ़ाने का पुरुषार्थ करो।





26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ओम् शान्ति। बच्चे बैठे हैं बाप की याद में। ऐसा तो कोई सतसंग नहीं, जहाँ कोई बैठे और कहे कि सब बच्चे बैठे हैं बाप की याद में। यह एक ही स्थान है। बच्चे जानते हैं बाबा ने डायरेक्शन दिया है कि जब तक जीते रहो तब तक बाप को याद करते रहो। यह पारलौकिक बाप ही कहते हैं - हे बच्चों। सब बच्चे सुन रहे हैं। न सिर्फ तुम बच्चे परन्तु सभी को कहते हैं। बच्चे बाप की याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-

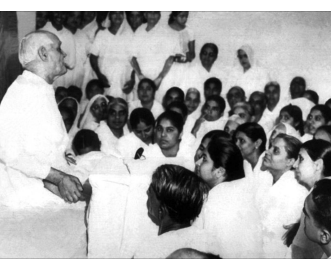
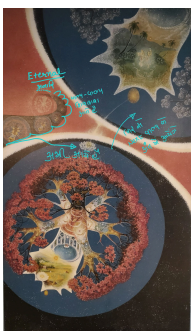


सतोप्रधान
↓
सतो
↓
रजो
↓
तमो
↓
तमोप्रधान

जन्मान्तर के जो पाप हैं, जिसके कारण कट चढ़ी हुई है, वह सब निकल जायेगी और तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी। तुम्हारी आत्मा असुल थी ही सतोप्रधान फिर पार्ट बजाते-बजाते तमोप्रधान बन गई है। यह महावाक्य सिवाए बाप के कोई कह न सके। लौकिक बाप के करके दो-चार बच्चे होंगे।

Exclusive Authority of Shiv baba

उन्हों को कहेंगे राम-राम कहो या पतित-पावन सीताराम कहो अथवा कहेंगे श्रीकृष्ण को याद करो। ऐसे नहीं कहेंगे हे बच्चों, अब मुझ बाप को याद करो। बाप तो घर में है। याद करने की बात ही नहीं। यह बेहद का बाप कहते हैं जीव की आत्माओं को। आत्मायें ही बाप के सामने बैठी हुई हैं। आत्माओं का बाप एक ही बार आते हैं, 5 हजार वर्ष के बाद



Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue = धारणा, Green = सेवा

आत्मा परमात्मा अलग रहे बहुकाल, सुन्दर मेला कर दिया जब सतगुरु मिला दलाल।

आत्मा और परमात्मा बहुत काल से (सतयुग से कलियुग अन्त तक) अलग रहे। अब सतगुरु परमात्मा शिव धरती पर आकर आत्माओं से मिलन मनाते हैं। आत्मा परमात्मा से अलग हुए 5000 वर्ष हुए। अब आत्मा का परमात्मा के साथ इस संगमयुग पर जो सुन्दर मिलन मेला होता है, वह ब्रह्माबाबा दलाल के माध्यम से होता है।



Point to be Noted



But we know, How Lucky & Great we are..!

26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

आत्मार्ये और परमात्मा मिलते हैं। बाप कहते हैं मैं

कल्प-कल्प आकर यह पाठ पढ़ाता हूँ। हे बच्चों, तुम

मुझे याद करते आये हो - हे पतित-पावन आओ। मैं

आता हूँ जरूर। नहीं तो याद कहाँ तक करते रहेंगे!

लिमिट तो जरूर होगी ना! मनुष्यों को यह पता नहीं

है कि कलियुग की लिमिट कब पूरी होती है। यह भी

बाप को ही बताना पड़े। बाप बिगर तो कोई कहेंगे

नहीं कि हे बच्चे, मुझे याद करो। मुख्य है ही याद की

बात। रचना के चक्र को भी याद करना बड़ी बात

नहीं है। सिर्फ बाप को याद करने में मेहनत लगती

है। बाप कहते हैं - आधाकल्प है भक्ति मार्ग,

आधाकल्प है ज्ञान मार्ग। ज्ञान की प्रालब्ध, तुमने

आधाकल्प पाई है फिर आधाकल्प भक्ति की

प्रालब्ध। वह है सुख की प्रालब्ध, वह है दुःख की

प्रालब्ध। दुःख और सुख का खेल बना हुआ है। नई

दुनिया में सुख, पुरानी दुनिया में दुःख। मनुष्यों को

इन बातों का कुछ भी पता नहीं है। कहते भी हैं

हमारे दुःख हरो, सुख दो। आधाकल्प रावण राज्य

चलता है। यह भी किसको पता नहीं है सिवाए बाप

के और कोई दुःख मिटा नहीं सकता। शरीर की

Exclusive Authority of Shiv baba

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue = धारणा, Green = सेवा

बीमारी आदि डॉक्टर मिटाते हैं, वह हो गया अल्पकाल के लिए। यह तो है स्थाई, आधाकल्प के लिए। नई दुनिया को स्वर्ग कहा जाता है। जरूर वहाँ सब सुखी होंगे। फिर बाकी इतनी सब आत्मायें कहाँ होंगी? यह कोई के भी ख्याल में आता नहीं है। तुम जानते हो यह नई पढ़ाई है, पढ़ाने वाला भी नया है।



The King of Kings

भगवानुवाच, मैं तुमको राजाओं का भी राजा बनाता हूँ। यह भी बरोबर है कि सतयुग में एक ही धर्म होता है तो जरूर बाकी सब विनाश हो जायेंगे। नई दुनिया और पुरानी दुनिया किसको कहा जाता है, सतयुग में कौन रहते हैं - यह भी अभी तुम जानते हो। सतयुग में एक आदि सनातन देवी-देवता धर्म का राज्य था।

कल की तो बात है। यह कहानी है - 5 हजार वर्ष

की। बाप बताते हैं 5 हजार वर्ष पहले भारत में इन देवी-देवताओं का राज्य था। वह 84 जन्म लेते-लेते अभी पतित बने हैं इसलिए अभी पुकारते हैं कि

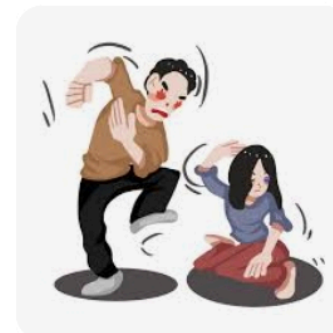
आकर पावन बनाओ। निराकारी दुनिया में तो सभी पावन आत्मायें ही रहती हैं। फिर नीचे आकर पार्ट बजाती हैं तो सतो रजो तमो में आती हैं। सतोप्रधान को निर्विकारी कहा जाता है। तमोप्रधान अपने को

हे किस्मत के धनी हम तो के हम भगवान को पाए कोई माने या ना माने ये दिल जाने जो हम पाए ये मेहरबानियों तो हे उसकी वरना कोई उसको कब पाए

हे किस्मत पे हम इतराते हे गाते होके मत वाले



तुम करुणा के सागर, विषय विकार मिटाओ,
 तुम पालनकर्ता। पाप हरो देवा।
 स्वामी तुम पालनकर्ता। स्वामी पाप हरो देवा।
 मैं मुख्य खल कामी, श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
 कृपा करो भर्ता। सन्तन की सेवा।
 ॐ जय जगदीश हरे॥ ॐ जय जगदीश हरे॥



26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
 विकारी कहलाते हैं। समझते हैं यह देवी-देवतायें
 निर्विकारी थे, हम विकारी हैं इसलिए बाप कहते हैं -
 देवताओं के जो पुजारी हैं उन्हीं को यह ज्ञान झट
 बुद्धि में बैठेगा क्योंकि देवता धर्म वाले हैं। अभी तुम
 जानते हो जो हम पूज्य थे, वही पुजारी बने हैं। जैसे
 क्रिश्चियन क्राइस्ट की पूजा करते हैं क्योंकि उस धर्म
 के हैं। तुम भी देवताओं के पुजारी हो तो उस धर्म के
 ठहरे। देवतायें निर्विकारी थे, वह अभी विकारी बने
 हैं। विकार के लिए ही कितने अत्याचार होते हैं।

बाप कहते हैं - मुझे याद करने से तुम्हारे विकर्म
 विनाश होंगे और तुम सदा सुखी बनोगे। यहाँ हैं सदा
 दुःखी। अल्प-काल का सुख है। वहाँ तो सब सुखी
 होंगे। फिर भी पद में फ़र्क है ना। सुख की भी
 राजधानी है, दुःख की भी राजधानी है। बाप जब
 आते हैं तो विकारी राजाओं की राजाई भी खत्म हो
 जाती है क्योंकि यहाँ की प्रालब्ध पूरी हो गई है।
 अभी तुम बच्चे जानते हो बाप की श्रीमत पर चलना
 है। बाप कहते हैं जैसे मैं शान्ति का सागर हूँ, प्यार

सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का एक ही स्वामी है। वही सबके द्वारा नमस्कार करने के योग्य है, वही प्रशंसा करने के योग्य है।



इसी परमात्म सत्य ज्ञान को पाने के लिए भक्ति में अनेकों ने अपने रात दिन, भूख प्यास एक किए हैं एवं प्राण तक गंवाए हैं। कई आत्माएं आज भी अपना शिर उतार कर रखने को तैयार खड़ी है इसी अमूल्य ज्ञान को प्राप्त करने के लिए।

"दुनिया जिसे कहते हैं जादू का खिलौना है, मिल जाए तो मिट्टी है, खो जाए तो सोना है।"
- निदा फ़ाज़ली

पूछो अपने आपसे...
कहीं हमारी भी स्थिति ऐसी ही तो नहीं है ना,
जब की स्वयं भगवान(पारस मणी) हमें मिल गए हैं और हम उनको मिट्टी के समान वैल्यू देकर चल रहे हैं...?

26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

का सागर हूँ, तुमको भी ऐसा बनाता हूँ। यह महिमा

एक बाप की है। कोई मनुष्य की महिमा नहीं है। तुम

बच्चे जानते हो बाप पवित्रता का सागर है। हम

आत्मायें भी जब परमधाम में रहती हैं तो पवित्र हैं।

चढ़ाओ नशा...

यह ईश्वरीय नॉलेज तुम बच्चों के पास ही है और

कोई जान न सके। जैसे ईश्वर ज्ञान का सागर है, स्वर्ग

का वर्सा देने वाला है। उन्हें बच्चों को आप-समान

भी जरूर बनाना है। पहले तुम्हारे पास बाप का

परिचय नहीं था। अभी तुम जानते हो परमात्मा

जिसकी इतनी महिमा है वह हमको ऐसा ऊंच बनाते

हैं, तो अपने को ऐसा ऊंचा बनाना पड़े। कहते हैं ना -

इनमें दैवीगुण बहुत अच्छे हैं, जैसा देवता....।

किसका शान्त स्वभाव होता है, किसको गाली आदि

नहीं देता है तो उनको अच्छा आदमी कहा जाता है।

परन्तु वह बाप को, सृष्टि चक्र को नहीं जानते हैं।

अब बाप आकर तुम बच्चों को अमरलोक का

मालिक बनाते हैं। नई दुनिया का मालिक बाप बिगर

कोई बना नहीं सकता। यह है पुरानी दुनिया, वह है

नई दुनिया। वहाँ देवी-देवताओं की राजधानी होती

है। कलियुग में वह राजधानी है नहीं। बाकी अनेक

राजधानियाँ हैं। अब फिर अनेक राजधानियों का



26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

विनाश हो और एक राजधानी स्थापन होनी है।

जरूर जब राजधानी नहीं हो तब बाप आकर स्थापन करे। सो तो सिवाए बाप के और कोई कर न

सके। तुम बच्चों का बाप में कितना लव होना

चाहिए। जो बाप कहेंगे सो करेंगे जरूर। एक तो

बाप कहते हैं मुझे याद करो और सर्विस करो, दूसरों

को रास्ता बताओ। देवी-देवता धर्म वाले जो होंगे

उनको असर पड़ेगा जरूर। हम महिमा करते ही हैं

एक बाप की। बाप में गुण हैं तो बाप ही आकर

हमको गुणवान बनाते हैं। बाप कहते हैं बच्चे, बहुत

मीठा बनो। प्यार से बैठ सबको समझाओ।

भगवानुवाच मामेकम् याद करो तो मैं तुमको स्वर्ग

का मालिक बनाऊंगा। तुम्हें अब वापस घर जाना है।

पुरानी दुनिया का महाविनाश सामने खड़ा है। आगे

भी महाभारी महाभारत लड़ाई लगी थी। भगवान ने

राजयोग सिखाया था। अब अनेक धर्म हैं। सतयुग में

एक धर्म था, जो अब प्रायः लोप हो गया है। अब बाप

आकर अनेक धर्मों का विनाश कर, एक धर्म की

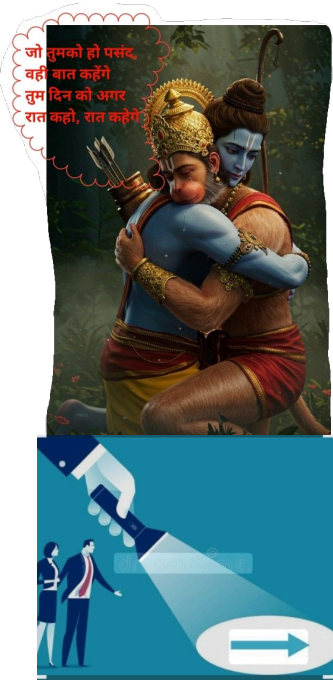
स्थापना करते हैं। बाप समझाते हैं मैं यह यज्ञ रचता

हूँ, अमरपुरी जाने के लिए तुमको अमर कथा सुनाता

हूँ। अमरलोक जाना है तो मृत्युलोक का जरूर

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue = धारणा, Green = सेवा

Simple Math..





26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

विनाश होगा। बाप है ही नई दुनिया का रचयिता। तो बाप को जरूर यहाँ ही आना पड़े। अब तो विनाश ज्वाला सामने खड़ी है। फिर समझेंगे तो आप सच कहते हो बरोबर यह वही महाभारत लड़ाई है। यह नामीग्रामी है तो जरूर इस समय भगवान भी है।

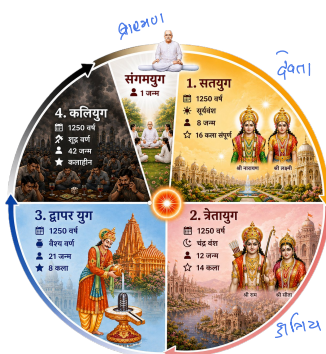
How lucky and Great we are....!

भगवान कैसे आता है, यह तो तुम बता सकते हो। तुम सबको बताओ कि हमको तो डायरेक्ट भगवान समझाते हैं। वह कहते हैं तुम मुझे याद करो। सतयुग में तो सभी सतोप्रधान हैं, अभी तमोप्रधान हैं। अब फिर सतोप्रधान बनो तब मुक्ति-जीवनमुक्ति में जाओ।



One & Only way

बाप कहते हैं - सिर्फ मेरी याद से ही तुम सतोप्रधान बन सतोप्रधान दुनिया का मालिक बन जायेंगे। हम रूहानी पण्डे हैं, यात्रा करते हैं - मनमनाभव की। बाप आकर ब्राह्मण धर्म, सूर्यवंशी चन्द्रवंशी धर्म स्थापन करते हैं। बाप कहते हैं - मुझे याद नहीं करेंगे तो जन्म-जन्मान्तर के पापों का बोझा उतरेगा नहीं। यह बड़े ते बड़ा फुरना है। कर्म करते, धन्धा करते मेरे



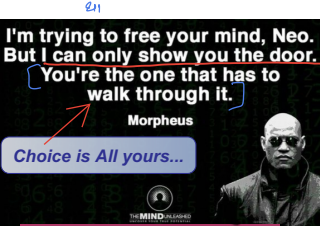
Points: Golden = धारणा, Green = सेवा

ये तो पक्का कर लो..

Choice is All yours...

Now, choose wisely, what to do...?

26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



आशिक मुझ माशूक को याद करो। हर एक को अपनी पूरी सम्भाल करनी है। बाप को याद करो। कोई पतित काम नहीं करो। घर-घर में बाप का सन्देश देते रहो कि भारत स्वर्ग था। लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। अभी नर्क है। नर्क के विनाश के लिए यह वही महाभारत लड़ाई है। अब देही-अभिमानि बनो। बाप का फरमान है - मानो व न मानो। हम तो आये हैं तुमको सन्देश सुनाने। बाप का हुक्म है - सबको सन्देश सुनाओ। बाप से पूछते हैं कौन सी सर्विस करें, बाबा कहते हैं - सन्देश देते रहो। बाप को याद करो, राजधानी को याद करो। अन्त मती सो गति हो जायेगी। मन्दिरों में जाओ, गीता पाठशालाओं में जाओ। आगे चलकर तुमको बहुत मिलते रहेंगे। तुमको उठाना है देवी-देवता धर्म वालों को।

बाप समझाते हैं बहुत-बहुत मीठे बनो। खराब चलन होगी तो पद भ्रष्ट हो जायेगा। कोई को दुःख मत दो, टाइम बहुत थोड़ा है। बील्वेड बाप को याद करो,

Take it Seriously..
जागो जागो, समय पहचानो...

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue = धारणा, Green = सेवा

26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

जिससे स्वर्ग की राजाई मिलती है। कोई की मुरली

नहीं चलती तो सीढ़ी के चित्र के सामने बैठ सिर्फ यह

ख्याल करो - ऐसे-ऐसे हम जन्म लेते हैं, ऐसे चक्र

फिरता रहता है... तो आपेही वाणी खुल जायेगी।

Subtle Psychology It is applied in all the cases.

जो बात अन्दर आती है, वह बाहर जरूर निकलती

है। याद करने से हम पवित्र बनेंगे और नई दुनिया में

राज्य करेंगे। हमारी अब चढ़ती कला है। तो अन्दर

खुशी होनी चाहिए। हम मुक्तिधाम में जाकर फिर

जीवन-मुक्ति में आयेंगे। बड़ी जबरदस्त कमाई है।

धन्धा-धोरी भल करो - सिर्फ बुद्धि से याद करो। याद

की आदत पड़ जानी चाहिए। स्वदर्शन चक्रधारी

बनना है। चलन खराब होगी तो फिर धारणा नहीं

होगी। किसको समझा नहीं सकेंगे। कदम आगे

बढ़ाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। पीछे नहीं आना

चाहिए। प्रदर्शनी में सर्विस करने से बहुत खुशी

होगी। सिर्फ बताना है कि बाप कहते हैं मुझे याद

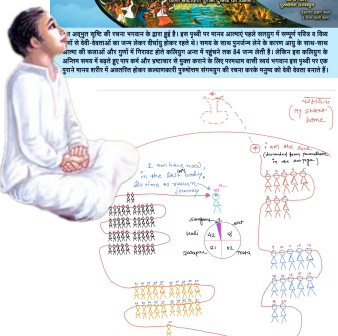
करो। देहधारियों को याद करने से विकर्म बनेंगे।

वर्सा देने वाला मैं हूँ। मैं सबका बाप हूँ। मैं ही आकर

तुमको मुक्ति-जीवनमुक्ति में ले जाता हूँ। प्रदर्शनी

मेले में सर्विस करने का बहुत शौक होना चाहिए।

सर्विस में अटेन्शन देना चाहिए। आपेही बच्चों को



Point to be Noted
never underestimate the
power of Hira

Direction of The Almighty
अब करो, ना करो
Choice is All yours...



Always remember this..

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue = धारणा, Green = सेवा

जो करेगा सो पाएगा

After having sweet Baba's direction...

अप्प दीपो भव
अपने दीये स्वयं बनो
(AS PER Baba's direction only)



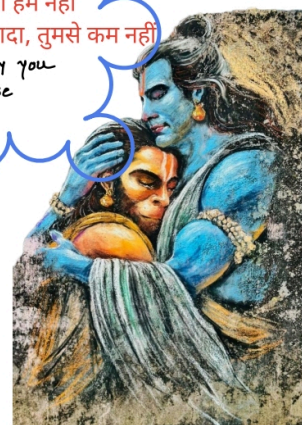
26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ख्यालात आने चाहिए। अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

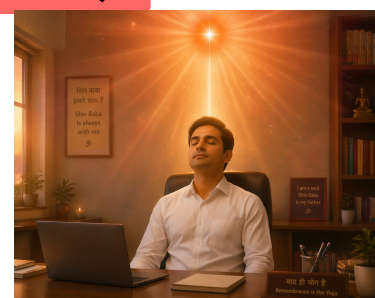
जो तुम ना हो, रहेंगे हम नहीं
जो तुम ना हो, तो हम भी हम नहीं
न चाहिए कुछ तुमसे ज्यादा, तुमसे कम नहीं
My aim is only you
Nothing else



None but Only One



1) एक बाप में ही पूरा लव रखना है। सबको सच्चा रास्ता बताना है। धन्धा आदि करते अपनी पूरी सम्भाल करनी है। एक की याद में रहना है।



2) सर्विस करने का बहुत-बहुत शौक रखना है। अपनी चलन को सुधारना है, स्वदर्शन चक्रधारी बनना है।



den = ज्ञान, Red =



Green = सेवा

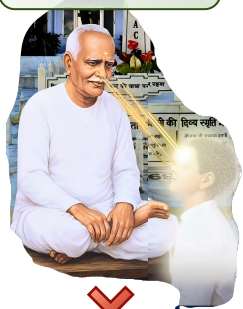


26-10-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
 वरदान: ¹मेहनत और ²महानता के साथ ³रूहानियत
 का अनुभव कराने वाले शक्तिशाली सेवाधारी भव



जो भी आत्मायें आपके सम्पर्क में आती हैं उन्हें
 रूहानी शक्ति का अनुभव कराओ।

Example



ऐसी स्थूल और सूक्ष्म स्टेज बनाओ जिससे आने
 वाली आत्मायें अपने स्वरूप का और रूहानियत का
 अनुभव करें।

ऐसी शक्तिशाली सेवा करने के लिए सेवाधारी बच्चों
 को व्यर्थ संकल्प, व्यर्थ बोल, व्यर्थ कर्म की हलचल
 से परे एकाग्रता अर्थात् रूहानियत में रहने का व्रत
 लेना पड़े।

इसी व्रत से ज्ञान सूर्य का चमत्कार दिखला सकेंगे।

स्लोगन:- [✓]बाप और [✓]सर्व की दुआओं के विमान में
 उड़ने वाले ही उड़ता योगी हैं।



Points: Go

णा, Green = सेवा

ये अव्यक्त इशारे -

परोपकार की भावना से सम्पन्न बन

अपकारी पर भी उपकार करो



अति पाप आत्मा, अति अपकारी आत्मा, बगुले के ऊपर भी नफरत नहीं, घृणा नहीं, निरादर नहीं लेकिन विश्व-कल्याणकारी स्थिति में स्थित हो रहमदिल बन तरस की भावना रखते हुए सेवा का सम्बन्ध समझकर सेवा करो,

जितने होपलेस केस की सेवा करेंगे उतने ही प्राइज़ के अधिकारी बनेंगे और नामीग्रामी विश्व-कल्याणकारी गाये जायेंगे। पीसमेकर की प्राइज़ लेंगे।

If you wish to stay connected, Here is the link



BKdrluhar

Mind maps are Available on WhatsApp and Telegram Only

अव्यक्त बापदादा:

वरदान का फल निकालने के लिए बार-बार वरदान को स्मृति में लाओ। स्मृति स्वरूप के स्थिति में स्थित रहो।

AV: 30/11/2009

Revise: 12/4/26

All वरदान slogans Sept 26

Click

All अव्यक्त इशारे Sept 26

Click

All वरदान, slogans and अव्यक्त इशारे At Single place

Click

अव्यक्त बापदादा:

आजकल के जमाने के हिसाब से तो बातें बहुत बदलती जाती हैं। गवर्मेन्ट के कायदे भी बदलने हैं, मनुष्यों की वृत्ति भी बदलनी है। तो हर एक के जीवन में व्यर्थ बातें तो आनी ही हैं, तो व्यर्थ को समाप्त करने के लिए समर्थ संकल्प चाहिए। वेस्ट को खत्म करने के लिए बेस्ट संकल्प चाहिए। तो रोज की मुरली में जो वरदान, स्लोगन आता है उसे सुनो। यह वरदान ही श्रेष्ठ संकल्प है। जब व्यर्थ आवे तो श्रेष्ठ संकल्प मन को चाहिए। मन खाली नहीं रह सकता है। मन को कुछ न कुछ संकल्प चाहिए। तो व्यर्थ वेस्ट को बेस्ट करने के लिए आपको यह वरदान और स्लोगन आदि के शब्द मन को चेंज करने के लिए चाहिए।

Remedy

AV: 15/03/2010

Revise: 31/05/2026

Subtle Psychology

अभी बापदादा ने देखा कि बच्चों को माया भी अब तक छोड़ती नहीं है उनका भी प्यार है।

और आजकल दो रूपों में विशेष माया भी चांस लेती है। दो रूप में आती है - एक व्यर्थ संकल्प और दूसरा कहीं-कहीं कभी कभी यह भी लहर है जो मैंने किया वा सोचा मैं ही राइट हूँ मैं कम नहीं हूँ। यह लहर फैली हुई है - मैं ही राइट हूँ लेकिन जो कनेक्शन में आते हैं या निमित्त बने हुए हैं वह भी आपके विचार को साथ देते हैं! दूसरों की भी वेरीफिकेशन मिलनी चाहिए।

Attention Please..!

यह व्यर्थ संकल्प टाइम वेस्ट करते हैं। इसलिए बापदादा रोज की मुरली मनन करने के लिए सेवा करने के लिए होमवर्क में रोज देते हैं। अगर मनन करो या मनन करते-करते मगन हो जाओ तो यह रोज का होमवर्क मन को बिजी करने का साधन है।

Example

सुनना और मनन करना या मगन हो जाना यह बापदादा रोज का होमवर्क इसीलिए देता है। जैसे बच्चों को होमवर्क इतना ज्यादा दे देते हैं जो उनकी बुद्धि करने में बिजी रहे। ऐसे रोज की मुरली उसमें चार ही सबजेक्ट का होमवर्क है। मन्सा का भी है वाणी का भी है कर्म का भी अटेन्शन और दिव्यता का इशारा होमवर्क है। तो होमवर्क में बिजी रहेंगे तो व्यर्थ संकल्प के आने की मार्जिन नहीं रहेगी।

समझा?

इस विधि को अपनाते रहेंगे तो व्यर्थ संकल्प स्वतः ही आपसे विदाई ले जायेंगे

क्योंकि बापदादा ने देखा याद की यात्रा पर सभी का नम्बरवार अटेन्शन है बाचा सेवा में भी अटेन्शन है। लेकिन अभी अपने संस्कार या दूसरों के संस्कार को परिवर्तन करना यह स्वभाव संस्कार जिसको रॉयल रूप में आप कहते हो नेचर मेरी नेचर है भाव नहीं है नेचर है यह धारणा की सबजेक्ट अभी भी रॉयल रूप में आती रहती है। तो बापदादा आजकल यही इशारा देते हैं कि जो भी धारणाओं में कमी होती है उसको अभी विशेष अटेन्शन दो।

AV: 24/10/2010

Revise: 14/06/2026

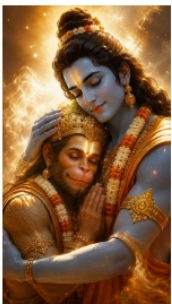


अमृतवेला और साकार बापदादा के महावाक्य

12.3.2. रात को सोने की विधि और उससे फायदा:



(अ) बाबा कहते हैं लक्ष्मी-नारायण के चित्र के सामने जाकर बैठो। रात को भी बैठ सकते हो। इन लक्ष्मी-नारायण को देखते-देखते सो जाओ। 'अहो! बाबा हमें ऐसा बनाते हैं!' तुम ऐसा अभ्यास करके देखो कितना मजा आता है! फिर सुबह को अपना अनुभव सुनाओ।



(आ) कई बार कहा है — रात को जब सोते हो, तो आधा घण्टा बाप की याद में बैठ जाना चाहिए। कम से कम आधा घण्टा याद में बैठो, फिर सवेरे उठ कर याद करो तो अवस्था अच्छी रहेगी। रात को बाबा की याद में बैठने का नियम रखो तो बहुत अच्छा है। योग में रहने वालों को बाबा मदद भी देते हैं। आपे ही आँखें खुल जायेंगी। खटिया हिल जायेगी। बाबा बहुतों को उठाते हैं। रात को बाबा की याद में सोयेंगे तो सुबह को बाबा आकर खटिया हिलायेंगे। ऐसा भी बहुत अनुभव लिखते हैं। हिम्मत बच्चे मदद बाप तो है ही। अपने ऊपर अटेन्शन रखो। बेहद का बाप कितना रहम करते हैं! बाप की मदद अनुभव करने के लिए मोस्ट बिलवेड बाप को बड़े प्यार से याद करना है।

(इ) बच्चे, यह भी कायदा है जास्ती खाने वाले को जास्ती नींद आयेगी। याद में रहेंगे तो खुशी में खाना भी बहुत थोड़ा खायेंगे। नींद भी बच्चों को टाइम पर करनी चाहिए।